Bihar Board Class 6 Hindi Notes Chapter 1 अरमान

अरमान Summary in Hindi

कविता का सार-संक्षेप

प्रत्येक ठाक्ति का कुछ अरमान होता है। कवि श्री रामनरेश त्रिपाठी जी अपने अरमानों के माध्यम से मानव को संदेश देते हैं कि मनुष्य को देवत्व गुणों का आधान करना चाहिए। ऐसा तभी सम्भव है जब हम समाज के गरीब बेसहारा लोगों को सहारा देंगे। समाज में कुछ ऐसे लोग भी हैं जो निराशा की मार से हतोत्साहित हैं, हमें उनके बीच उत्साहं को फिर से जगाकर कर्तव्यपरायण बनाना चाहिए। ____तन, मन, धन से मातृभूमि (जन्मभूमि) की सेवा करना भी प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है।

हमें अपने पूर्वजों के मान-सम्मान को बढाने के लिए अपने धुन का पक्का होना चाहिए तथा सत्य का अनुसरण करना चाहिए क्योंकि हमारे पूर्वज वीर, कर्तव्यनिष्ठ और सत्यप्रिय थे।

अर्थ-लेखन

है शौक यही अरमान यही,
हम कुछ कर के दिखलाएंगे।
मरने वाली दुनिया में हम,
अमरों में नाम लिखाएंगे।
अर्थ – हमारा शौक या अरमान यही है कि हमें कुछ कर दिखलाएँ । यह संसार नश्वर है जहाँ लोग मर जाते हैं। लेकिन जिनकी कृति इस संसार में रहती है वे अमर हो जाते हैं मेरा भी अरमान है कि हम भी अपनी कृति कायम कर अमरों में नाम लिखावें।

जो लोग गरीब भिखारी हैं,
जिन पर न किसी की छाया है।
हम उनको गले लगाएंगे,
हम उनको सुखी बनाएँगे।
अर्थ – समाज में जो लोग गरीब हैं, भिखारी हैं या जो समाज में सहायता से वंचित हैं, ऐसे लोगों को गले लगाकर उनकी मदद करेंगे, उनको सुखी बनाएँगे।

जो लोग हारकर बैठे हैं,
उम्मीद मारकर बैठे हैं।
हम उनके बुझे दिमागों में,
फिर से उत्साह जगाएँगे।

अर्थ – समाज में कुछ ऐसे लोग भी हैं जो जीवन से निराश होकर हतोत्साहित हो गये हैं। हम उनके अज्ञानता को दूर कर फिर से उत्साहित करेंगे।

https://www.evidyarthi.in/

रोको मत, आगे बढ़ने दो,
आजादी के दीवाने हैं।
हम मातृभूमि की सेवा में,
अपना सर्वस्व लगाएँगे।

अर्थ – हमें पुनीत कर्म की ओर बढ़ने दो, देश-धर्म से हमें मत रोको, क्योंकि हम आजादी के दीवाने हैं। आजादी हमारा प्रिय है। हम अपनी मातृभूमि की सेवा में अपना सब कुछ लगा देंगे।

हम उन वीरों के बच्चे हैं,
जो धुन के पक्के सच्चे थे।
हम उनका मान बढ़ाएंगे,
हम जग में नाम कमाएँगे।

अर्थ – हमारे पूर्वज वीर, धुन के पक्के और सच्चे थे। हम भी अपने पूर्वजों का अनुकरण कर उनका पान-सम्मान बढ़ाएँगे। हम संसार में नाम कमाएँगे।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/